इब्रानियों, अध्याय दो 2

... पहले आये, और वचनों का अध्ययन करे, कि वो इसकी तुलना कर सके और देख सके कि यह सत्य है या नहीं। उसने इसे लिया, सत्य को, पुराने नियम के द्वारा। अब, पौलुस पुराने नियम का विद्वान था। यह कितने जानते हैं? उसे अपने समय के श्रेष्ठ विद्वानों में से एक, गमलीएल, जो उत्कृष्ट विद्वान के नीचे पढ़ा हुआ था। और पौलुस पुराने नियम को जानता था। और मैं सोचता हूँ कि उसकी पहली हिलावट, जैसा कि मैंने आज सुबह कहा, जब उसने स्तिफनुस की मृत्यु को देखा। पौलुस ने अवश्य ही किसी बात को पकड़ लिया होगा, क्योंकि वह अपने सारे लेखों में उसी का उल्लेख करता रहा, "मैं योग्य नहीं हूं, क्योंकि मैंने कलीसिया को मृत्यु के निमित सताया। मैं उनमें से सबसे छोटा हूं।"

95 ओह, लेकिन परमेश्वर के पास इससे भिन्न विचार था। वो उस समय के सबसे शक्तिशाली मनुष्यों में से एक था।

महान प्रेरित संत पौलुस को देखें
अपने वस्त्र के साथ जो बहुत ही उज्वल और साफ़ है,
(कवि ने कहा)
ओह, वहां पर निश्चय ही कुछ चिल्लाना होगा
जब हम सब वहाँ मिलते हैं।

वो महान दिन जब मैं देखता हूं कि उसे शहीद का ताज मिलता है, शहीद का इनाम!

96 मैं उस छोटे से पुराने बंदीगृह के पास खड़ा था, यहाँ ज्यादा समय नहीं हुआ, जहाँ उसने उन पत्रियो को लिखा था। और फिर उन्होंने उसका सिर काट दिया। और उसे वहां उस नाले में डाल दिया, जिससे कि नाले में बह जाए। और उस छोटे यहूदी ने वहां कहा, "मैं यीशु मसीह के दागों को अपनी देह में लिये फिरता हूं। मैंने इफिसुस में पशुओ से लड़ा हूँ, लेकिन मैंने अच्छी लड़ाई लड़ी है। मैंने अपनी दौड़ को पूरा कर लिया है। मैंने विश्वास को रखा है। और आगे, वहां मेरे लिये धार्मिकता का एक मुकुट रखा गया है, जो प्रभु, वो धर्मी न्यायी उस दिन पर मुझे देगा। और ना ही केवल मुझे, बल्कि उन सब को जो उसके प्रकट होने से प्रेम करते है।" मैं

इसे कितना प्रेम करता हूँ! ओह, मैं उनके साथ उस गिनती में होना चाहता हूँ! हम अक्सर एक गीत गाते थे:

ओह, क्या आप उसके भेड़ शाला में से एक के नाई
गिने जाएँगे?
क्या आपको उसकी भेड़ शाला में से एक के रूप में
गिना जाएगा?
भीतर से बेदाग रहो, देखते हुए और उस स्थान पर
प्रतीक्षा करते कि देखूं;
वह फिर से आ रहा है।

97 मैं उनमें से एक होना चाहता हूं। अब लेखक इसे कहते हुए आगे बढ़ता है:

इस कारण चाहिए, कि हम... उन बातों पर जो हम ने सुनी हैं और भी मन लगाएं, ऐसा न हो कि बहक कर उन से दूर चले जाएं।

98 जैसा कि आज सुबह हमने उस पर सिखाया, 2 रा पद बताता है, "यदि... "

क्योंकि जो वचन स्वर्गदूतों के द्वारा कहा गया था...

99 हम दूतों को क्या पाते हैं? वे भविष्यवक्ता। "परमेश्वर ने विविध समय में बात की... " अब, आपको अपना विचार नहीं, लेकिन बाइबल को लेना होगा। अब 1ला अध्याय, का... 1ला अध्याय, 1ला पद।

पूर्व युग में परमेश्वर ने बाप दादों से थोड़ा थोड़ा करके... और विविध तरह से... भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बातें कर के,

100 अब वह यहाँ पर जाता है, और फिर से कहता है।

क्योंकि यदि दूतों के द्वारा बोला गया वचन स्थिर रहा था,...

और दूत का क्या अर्थ होता है? "संदेशवाहक।" यदि परमेश्वर ने दूत को अभिषेकित किया... और फिर यदि हमारा अभिषेक किया जाता है, तो हम परमेश्वर के संदेशवाहक होते हैं। हम दुनिया के लिए सन्देशवाहक हैं, स्वर्ग के राजदूत हैं, यह घोषणा करते हुए कि हम यात्री और अजनबी हैं। हम इस संसार के नहीं हैं। लेकिन हम आने वाले नगर की तलाश में हैं, जिसका बनाने वाला और रचने वाला परमेश्वर है। हम इस धरती पर धन

को नहीं रखे, जहां चोर सेंध लगाते हैं, और कीड़े लगते है, काई लगती है, और सड जाते हैं। क्योंकि, हमारा धन स्वर्ग में है, जहां यीशु महामहिम के दाहिने हाथ पर बैठा है। ओह, क्या ही महिमामय और अद्भुत बात है, यह जानना कि:

हमारी आशाये कुछ भी कम पर नहीं बनी हैं
यीशु के लहू और धार्मिकता से;
जब मेरे प्राण के इर्द–गिर्द से रास्ते को देते है,
फिर वह मेरी सारी आशा है और बनी रहेगी।

मसीह पर, जो मजबुत चट्टान है, मैं खड़ा हूँ;
बाकी की सारी भूमी धंसती हुई रेत है,
बाकी की सारी भूमी धंसती हुई रेत है,

101 सतावट के समय में एडी पेरोनेट ने, उस गीत को किस तरह से लिखा होगा!

अब, *यदि दूतों द्वारा बोला गया वचन स्थिर था,...* (जब परमेश्वर के संदेशवाहक ने वचन को बोला, ये बना रहा।)... *और आज्ञा न मानने का ठीक ठीक* हर एक बदला *मिला;*

अब *हम कैसे बचेंगे,* यदि हम मसीह को नहीं सुनते, जो स्वर्ग से बोलता है?

अब देखना:

तो हम लोग ऐसे बड़े उद्धार से निश्चित रह कर, क्योंकर बच सकते हैं; ... (इस पर सोचे।)... *जिस की चर्चा पहिले पहिल प्रभु के द्वारा हुई,...*

102 मसीह अपने कार्य को आरंभ करता है। उसने क्या किया? हम उसे देखते हैं, वो कैसे... नम्र, दीन, किस तरह से वह एक धर्मज्ञानी के नाई एक महान विख्यात व्यक्ति नहीं था। लेकिन वह नम्र, दीन, सज्जन था। वह एक जबरदस्त प्रचारक नहीं था। उसकी आवाज रास्ते में नहीं सुनी गई थी।

लेकिन यूहन्ना गरजते हुए सिंह की नाई आगे गया। वो एक प्रचारक था।

103 यीशु आगे गया, ना ही गरजते हुए सिंह के नाई, लेकिन परमेश्वर उसके साथ कार्य कर रहा था, वचन की पुष्टि करते हुए। परमेश्वर मसीह के साथ था। पेंटीकोस्ट के दिन, पतरस ने कहा, "हे इस्राएल के लोगो, और तुम

जो यहूदिया में रहते हो... नासरत का यीशु, तुम में से परमेश्वर का स्वीकृत मनुष्य है, चिन्हों और चमत्कारों और अद्भुत कार्यो के द्वारा, जो परमेश्वर ने उसके द्वारा तुम सब के बीच में किए, जिसके तुम सब गवाह हो।" देखो कि कैसे उसने इसे उन पर बात को डाला। "तुम्हें उसे जानना चाहिए।"

104 यीशु ने कहा, "तुम ढोंगी हो।" कहा, "तुम बाहर जाकर और सूरज को देखते हो, और तुम... यह लाल है और नीचा होता है, तुम कहते हो, 'यह खराब मौसम होने वाला है।' और यदि ये प्रकाशमान और उजला होता है, या इत्यादी, तुम कहते हैं, 'मौसम अच्छा रहने वाला है।'" कहा, "आप आकाश को परख सकते हो, लेकिन समय के चिन्हों को तुम नहीं समझ सकते। क्योंकि यदि तुम मुझे जानते होते, तो तुम मेरे दिन को जानते।"

105 ओह, वह आज रात को क्या चिल्लाता। किस तरह से उसका आत्मा उसके प्रचारकों के जरिये से चिल्लाता, "वो घडी नजदीक है!"

हम परखते हैं। हम परमाणु बमो को देखते हैं। हम जानते हैं कि क्लार्क गेबल की जगह कौन लेने जा रहा है, और कौन *ऐसा, वैसा,* या *इत्यादि* करने जा रहा है; या उपराष्ट्रपति कौन होगा। हम इसमें रुचि को रखते हैं, लेकिन हम समय के चिन्हों को नहीं समझ सकते। हम अंत में हैं।

106 यह क्या है? हमें इन चीजो में बहुत दिलचस्पी रखते है, "टेलीविजन की अगली श्रृंखला क्या होगी? सूसी क्या करने जा रही है?" या उस महिला का नाम क्या है। "और आर्थर गॉडफ्रे कहाँ जा रहे हैं? अगली बार वो किस प्रकार की हंसी–मजाक से प्रभावित करने जा रहा है?" हमने, मसीही के नाई, हमारे दिमाग को ऐसे बहूदा बातो से भर दिया है, जबकि हमें कहीं तो प्रार्थना में होना चाहिए, और बाइबल का अध्ययन करना चाहिए, ताकि उसके चिन्हों को जाने जिसमें हम रह रहे है।

107 यह क्या करता है, बहुत सी बार, कमजोर पुलपीट है, यह सही है, जो नीचे आकर और सुसमाचार के सत्य को नहीं लाते है। आने वाले दिनों में हमें इसका उत्तर देना होगा। हमें किसी भी चीज की अनदेखा नहीं करना चाहिए। और लोग, जैसा कि हम यहाँ इस ब्रंहम टेबरनेकल में हैं, ताकि चिन्हों और अद्भुत कामो, और पुनरुत्थीत मसीह की सामर्थ को देखे; और फिर इसे जानना कि हम हमारे—हमारे समय को अन्य बातों पर लगाये, और प्रभु

यीशु की आवाज़ को सुनने के अनदेखा करेंगे, "हम कैसे बच निकलेंगे, यदि हम इतने महान उद्धार को अनदेखा करते हैं? "

108 3रा पद या 4था पद। यहीं पर हमने आज सुबह 4थे पद पर समाप्त किया।

परमेश्वर भी उनकी गवाही को दे रहा है,... (ओह, प्रभु!)

परमेश्वर... उनकी गवाही को दे रहा है,...

वचन को ध्यान से सुनना।

... दोनों चिन्हों के साथ... चमत्कार, और विविध अद्भुत कार्यो के साथ,...

विविध अद्भुत कार्य क्या है? *विविध* क्या है? *विविध* का अर्थ होता है "बहुत से।" "*बहुत* से अद्भुत कार्यो के साथ, परमेश्वर ने गवाही दी।" हे परमेश्वर! मैं विश्वास करता हूँ कि यह आपके ह्रदय के अंदर उतर जाये। सुनना।

109 मैं आपके पास्टरों में से एक हूँ, यहाँ पर भाई नेविल के साथ। मैं चाहता हूं कि आप इसे लिख कर ले लें। बाइबल ने कहा, "यदि तुम्हारे बीच में से कोई उठ खड़ा होता है, और वह *ऐसा–और–ऐसा* कहता है, और ये बात पूरी नहीं होती, इसकी न सुनना, क्योंकि मैं ने नहीं बोला है। परन्तु यदि वो मेरे नाम से बोलता है, और जो कुछ वह कहता है वह पूरा हो जाता है, तो इसकी सुनना।" आमीन। "क्योंकि मैं उस भविष्यव्यक्ता या प्रचारक के साथ हूं, चाहे वो कुछ भी हो। यदि वह जो कहता है वह पूरा होता है, तो उसकी सुनो।"

110 अब, मित्रों, आइए हम उसकी सुनें, पवित्र आत्मा हमारे बीच में बोल रहा है, विविध चमत्कार, और चिन्ह, और अद्भुत कार्यो को दिखाते हुए। आइए इसे ऐसे ही ना जाने दे जैसे ये बस सामान्य बात घटित हो रही हो। आइए याद रखें कि यह यीशु मसीह है, वो कल, आज और हमेशा एक सा है; उसके वचन की पुष्टि करते हुए। हमें अवश्य ही इसे करना है। ओह, कृपया इसे करें। ध्यान दें। हर एक चीज को दुसरे स्थान पर होने दे, यहाँ तक आपका घर, आपका पति, आपकी पत्नी, आपके बच्चों को भी। जो कुछ भी ये हो, इसे दूसरे स्थान पर रखें। परमेश्वर को पहला स्थान दें।

आप कहते है, "भाई ब्रंहम, मेरे बच्चों से भी ऊपर?" किसी भी चीज़ से ऊपर। परमेश्वर को पहला स्थान दें। उसे पहले होने दो।

111 एलिय्याह एक दिन पहाड़ से नीचे उतरा। वह एक दूत था, एक संदेशवाहक, परमेश्वर का संदेशवाहक, अभिषिक्त। और उसने एक विधवा स्त्री को दो लकड़ियो को उठाते हुए देखा। उसने कहा, "जाओ, मेरे लिए कुछ रोटी को बनाओ, और मेरे लिए थोड़ा पानी लाओ।"

112 और उसने कहा, "जैसा तुम्हारा प्राण जीवित है, मेरे पास बस कुछ ही रोटी है, या पर्याप्त गेहूं का आटा है, कुछ छोटी सी रोटी को बनाने के लिए। और मेरे पास बस इसमें डालने के लिए पर्याप्त तेल है, इसे मिला सकूं, खस्ता करने के लिए। और मैं दो लकड़ी को ले रही हूँ।" पुराने समय का ऐसा तरीका होता था, यह भारतीय तरीका है, लकड़ी को एक दुसरे पर आडा–तिरछा रखकर बीच से जलाते है, और इसमें लकड़ियाँ डालते रहते है। इस प्रकार से बहुत सी आग सुलगाते है। कहा, "और मैं अपने लिए और मेरे लड़के, मेरी बच्ची के लिए उस छोटी सी रोटी को बनाने जा रही हूँ। और हम इसे खाकर और मरने जा रहे हैं।" वहां साढ़े तीन वर्षो से अकाल पड़ा था, कहीं भी पानी नहीं था।

113 उस कठोर, बूढ़े भविष्यव्यक्ता ने उस स्त्री के चेहरे की ओर देखा। उसने कहा, "जाकर, पहले मेरे लिए एक रोटी बनाओ।" क्या ही आज्ञा है, एक पुरूष के लिए, कि एक विधवा स्त्री से कहे, जो भूखो मरने पर है, कि पहले उसे खिलाए। उसने क्या कहा? "क्योंकि **यहोवा यों कहता है**, आटे का डब्बा कभी भी खाली न होगा, और न ही घड़ा सूखेगा, जब तक परमेश्वर धरती पर वर्षा को नहीं भेजता।"

पहले, परमेश्वर। उसने भीतर जाकर उस छोटी सी रोटी को पकाया, और आकर इसे भविष्यव्यक्ता को दिया। सीधे पीछे जाकर और एक और रोटी सेंकी, और एक और रोटी, एक और रोटी, एक और रोटी। और आटे का डब्बा कभी भी खाली नहीं हुआ, घड़ा नहीं सुखा, जब तक परमेश्वर ने धरती पर वर्षा नहीं भेजी। उसने अपने बच्चों के पहले परमेश्वर को रखा। उसने परमेश्वर को किसी भी और चीज से पहले रखा। उसने पहले परमेश्वर के राज्य को लिया।

114 परमेश्वर का आपके ह्रदय में अवश्य ही पहला स्थान होना है, आपके जीवन में पहला स्थान होना है, हर एक चीज में पहला स्थान आप जो कुछ

भी करते हैं या जो आप हैं। परमेश्वर अवश्य ही पहले होना है। वह दूसरा स्थान नहीं चाहता। उसे दूसरे स्थान पर रखना उचित नहीं है। वह सबसे अच्छा, और पहला, और वो सब जो हमारे पास है, उसका हकदार है। वह इसका हकदार है। उसका पवित्र नाम धन्य हो!

> क्योंकि *साथ ही परमेश्वर भी चिन्हों, और अद्भुत कामों, और,... नाना प्रकार के सामर्थ के कामों से* वो गवाही को देता है, *और अपनी इच्छा के अनुसार पवित्र आत्मा के दानो को देता है?*

115 ना ही मनुष्य क्या कहते हैं, कलीसिया ने क्या कहा, लेकिन परमेश्वर की इच्छा क्या है। ओह, हमें परमेश्वर की इच्छा को जानने की आवश्यकता है, न कि आपका पड़ोसी क्या चाहता है, न कि आपके बच्चे क्या चाहते है, ना ही आपके पति या आपकी पत्नी क्या चाहती है। लेकिन, परमेश्वर की इच्छा को जाने, और पहले उसे करे। उसके बाद बाकी की सारी चीज, पत्नी की इच्छा और बच्चों की इच्छा, ठीक उसी में आ जाएगी। लेकिन, परमेश्वर को पहला स्थान दें।

116 अब, देखना।

> *क्योंकि उस ने उस आने वाले जगत को जिस की चर्चा हम कर रहे हैं, दूतों के आधीन न किया।*

117 अन्यथा, वे महान दूत जो स्वर्ग में सेवकाई करते हैं, जिब्रायेल, मिकायेल, नागदौना, और दसो हज़ार गुणा दसो हज़ार स्वर्ग के दूत; या दसो हज़ार भविष्यव्यक्ता जो धरती पर रहे है, उन में से हर एक जन; उसने उनमें से किसी को कभी भी आने वाले संसार पर नियंत्रण करने के लिए नहीं रखा, जिसके बारे में हम बात करते हैं। एक को भी नहीं! उसने कभी नहीं कहा, "यशायाह, तुम संसार को नियंत्रित करोगे।" उसने संसार को कभी भी एलिय्याह के अधीन नहीं किया। न तो उसने इसे जिब्रायेल के सामने रखा, या किसी दूत के, ना किसी सेवकाई करने की आत्मा के सामने रखा।

118 देखो उसने क्या कहा, पौलुस, अब भी मसीह को ऊँचा कर रहा है, जिसके विषय में हम बोलते हैं।

> *वरन किसी ने कहीं, यह गवाही दी है, कि मनुष्य क्या है, कि तू उस की सुधि लेता है? या मनुष्य का पुत्र क्या है, कि तू उससे* भेंट करे*?*

तू ने उसे स्वर्गदूतों से कुछ ही कम किया; तू ने उस पर महिमा और आदर का मुकुट रखा; और उसे अपने हाथों के कामों पर अधिकार दिया:

119 अब, यदि आप इसे पढ़ना चाहते हैं, तो यह भजन संहिता 8:4 से 6 में है, दाऊद बोल रहा है। अब उसने दाऊद को यहाँ क्या बताया? इससे बात ठीक वहां ख़त्म हो जाती है, क्या मैं भविष्यव्यक्ता पर आज सुबह सही था।

120 उसने कहा, "दूतों में से एक ने किसी एक स्थान पर कहा।" दाऊद, परमेश्वर का संदेशवाहक, परमेश्वर का दूत था, क्योंकि वह परमेश्वर का संदेशवाहक था। दूत ने कहा, दाऊद ने भजन संहिता में कहा, "तूने उसे स्वर्ग के दूतों से थोड़ा नीचे किया है।" एक दूत ने कहा, कि परमेश्वर ने उसे एक दूत से भी कम बनाया, जिससे कि वो उसे ताज पहनाए; और जिससे वह दुख उठा सके, और मृत्यु के स्वाद को चख सके, कि उसे फिर ऊंचा किया जाए। कि वह उसे बना सके... संसार की सारी चीजो का वारिस बना सके। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

121 अभी मत्ती—मत्ती 28:18 में, हम इसे पढ़ते हैं। उसके क्रूस पर चढ़ाए जाने और तीसरे दिन फिर से जी उठने के बाद, वह अपने चेलो से मिला और उन्हें सारे संसार में जाने के लिए आज्ञा दी, ताकि हर एक प्राणी को सुसमाचार का प्रचार करे। उसने कहा, "स्वर्ग और धरती पर की सारी सामर्थ मेरे हाथों में दी गई हैं। स्वर्ग की सारी सामर्थ, धरती की सारी सामर्थ, मुझे दी गई है।" यह क्या था? मनुष्य और परमेश्वर एक हो गए थे। लोगोस देहधारी हुआ था और मारा गया था, और हमारे धर्मीकरण के लिए फिर से जी उठा, और तब वो अभिषिक्त इम्मानुएल था हमेशा और हमेशा के लिए। परमेश्वर ने अपने वास करने के स्थान को बदला, एक सिंहासन से उस ओर स्थानो में, उनके पुत्र, मसीह यीशु के ह्रदय में, ताकि रहे और हमेशा के लिए राज्य करे। "परमेश्वर मसीह में था।" वह आत्मा का अंतिम विश्राम स्थान है।

122 आत्मा एक समय एक भवन में बना रहा, आपको यह पता है, तम्बू के अंदर। "और सुलैमान ने उसके लिये एक भवन बनवाया। लेकिन, तौभी, परमप्रधान हाथ के बनाये हुए घरों में नहीं रहता।" "लेकिन मैंने तेरे लिए एक देह को तैयार किया है।"

123 वहां प्रेरितों के काम की किताब पर, 7वें अध्याय में, जब वह बोल रहा था, तो उसने कहा, "उन सभी ने इसे पहले से देख लिया। उन्होंने उसके लिये तंबू को बनाया, जैसे मूसा ने किया, उसके पास तंबू था, और उसमें सन्दूक को रखा, क्योंकि परमेश्वर दया के आसन पर था। वो वहां नहीं रहा था।" तो ठीक है।

124 फिर, "एक देह तूने मेरे लिए बनायी है," प्रभु यीशु मसीह की देह, उसे दूतों से भी नीचे बनाया ताकि मृत्यु के स्वाद को चखे; और कोई नहीं, लेकिन वो उच्च का सर्वोच्च था, मसीह; शांति का राजकुमार, राजाओं का राजा, प्रभुओ का प्रभु, नक्षत्र के हर एक तारे का रचेयता।

125 हे परमेश्वर! वह अपनी सृष्टि से भी नीचा बन गया, जिससे कि वह मनुष्य को छुड़ा सके (बेघर, असहाय मनुष्य), और उनके लिए स्वर्ग में घर को दे सके। उसने स्वर्ग की महिमा को छोड़ दिया। उसने सबसे सर्वोच्च नाम को छोड़ दिया जिसे बुलाया जा सकता था। और जब वह धरती पर था, तो मनुष्य ने उसे सबसे गिरे हुए नाम को दिया, जो वे उसे दे सकते थे, कहा, "वो आरंभ से, एक नाजायज बालक था।" एक चरनी में जन्मा, एक बैल के जुए की पीठ पर के फटे कपड़ो में लिपटा हुआ। ना ही जाने के लिए स्थान था, ना ही जाने के लिए घर था। और उसे, "बालजबुल," बुलाया गया, शैतानों का मुखिया। उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया। उस पर थूका गया। उसका मजाक उड़ाया गया। वह ठुकराया गया, और सबसे नीचे स्थानो में चला गया, और अपमानित किया गया "वेश्याओं का सबसे घिनौना।" यही है जो मनुष्य ने उसके साथ किया।

126 लेकिन परमेश्वर ने उसे इतना ऊँचा उठाया कि उसे स्वर्ग को देखने के लिए नीचे देखना पड़ा। मनुष्य ने उसे सबसे नीचा स्थान दिया, उसे सबसे गन्दा स्थान, सबसे गिरा हुआ नाम दिया। परमेश्वर ने उसे उठाया और उसे सर्वोच्च स्थान दिया, और सर्वोच्च नाम को दिया। यही वो अंतर है जो मनुष्य ने परमेश्वर के पुत्र के साथ किया, और परमेश्वर ने जो परमेश्वर के पुत्र के साथ किया।

127 वह नीचे गिर गया, जिससे कि हमें ऊँचा उठाया जा सके। वह हम बन गया, जिससे कि हम उसके अनुग्रह में से होते हुए वो बन जाएं। वह बेघरों के पास आया, और स्वयं बेघर हो गया, जिससे कि हमारे पास एक घर हो सके। वह बीमारों के पास आया, और आप ही रोगी हो गया था, जिससे कि

हम चंगे हो जाएं। वह पापी के पास आया, "और खुद, पाप बना," जिससे कि हम बच सकें।

128 कोई आश्चर्य नहीं कि वह ऊँचा उठाया गया था। कोई आश्चर्य नहीं कि वह वही है जो वह आज रात है। परमेश्वर ने उसे ऊंचा किया, और स्वर्ग और धरती की सारी सामर्थ उसी को दी गई हैं।

129 जब उसका धरती पर का कार्य समाप्त हो चुका था, यहाँ धरती पर... वह धरती पर आया, जैसे ही उसने समाप्त किया, भोर के तारे ने उसे परमेश्वर का पुत्र घोषित किया। उसने हर शैतान को हिला दिया जो उसके संपर्क में आया। प्रभु का नाम धन्य हो! उसकी उपस्थिति में शैतान काँपते और थरथराते थे, और दया की भीख माँगते थे। जी हां, श्रीमान। सारा नरक जानता था कि वो कौन था।

130 वो नम्रता से चला, बरसात की रात को उसके पास सिर रखने की जगह नहीं थी। वही जानवर जिसकी उसने सृष्टी की, "आकाश के पक्षियों के पास घोंसले होते हैं, और लोमड़ियों के पास मांद होती हैं, लेकिन मनुष्य के पुत्र के पास अपने धन्य सिर को रखने की जगह नहीं है।" निश्चय ही, वो था।

131 वह पाप बन गया, नीचा बन गया और त्यागा गया। लेकिन शैतान जानते थे कि वह कौन था। उन्होंने दया के लिए निवेदन किया। उन्होंने कहा, "तुम हमारा समय आने से पहले हमें पीड़ा देने क्यों आते हो?" और जब कि प्रचारक उसे "बालजबुल, भविष्य बताने वाला," कह कर बुलाते थे, शैतान उसे, "जीवित परमेश्वर का पुत्र," कह कर बुलाते, और दया की भीख मांगते थे।

132 ओह, हम कैसे केवल एक मिनट रुक सकते! कुछ भी हो, तुम हो कौन? तुम्हारे पास जो काम है उसका क्या मतलब है? या उस छोटे से घर का क्या मतलब है जो हमारा है? हमारे पास जो कार है उसका क्या मतलब है?

133 सुंदर छोटी लड़की, तुम नन्ही सी चीज, वह नन्ही–सी दिखने वाली अब तुममें क्या है? चमकीले, चिकने बालों वाले, सीधे कंधों वाले नौजवान, तुम किसी दिन उम्र के साथ नीचे झुक जाओगे।

134 लेकिन, प्रभु धन्य है! आपके पास एक प्राण है जो फिर से जन्मा है। आप हमेशा और सदा के लिए जीवित रहेंगे, क्योंकि वो आप बन जाता हैं,

कि आप उसके अनुग्रह में से होते हुए वो बन सको, और आपके लिए जगह को बना सके।

135 ओह, हम जो सोचते हैं कि हमारे पास बदलने के लिए कपड़े है और घर में कुछ किराने का सामान है, हम क्या हैं? परमेश्वर इसे एक क्षण में ले सकता है। तुम्हारी वही साँस उसके हाथ में है। और वो हमारे बीच में बिमारो को चंगा करने के लिए, प्रचार करने और प्रमाणित करने, और भविष्यवाणी करने लिए है और हर समय सही या अचूक होता है। और यहां तक कि हमारे बीच में, एक छोटी, मरी हुई मछली को फिर से उसके जीवन में वापस लाने के लिए पर्याप्त चिंताशील हैं। यहोवा हमारे चारों ओर, यहोवा हम में है, वो महान और पराक्रमी **मैं हूँ**।

136 जब वह मरा, तो उन्होंने सोचा कि उनके पास वो था। वो अधोलोक में उठाया गया। जब वह धरती पर से चला गया उस दिन पर जब क्रूस पर चढ़ाया गया, तो वह खोये हुओं के क्षेत्रों में चला गया। बाइबल ने कहा, "उसने जाकर उन प्राणों को जो बंदीगृह में थे, उन्हें प्रचार किया, जिन्होंने नूह के दिनों में धीरज धरते हुए पश्चाताप नहीं किया था।" जब वह मरा, और उसकी आत्मा ने उसे छोड़ दिया, तो वह फिर से लोगोस बन गया। उसने, मैंने देखता हूँ, कहा, "मैं परमेश्वर से आया हूँ। मैं परमेश्वर के पास वापस जाता हूं।"

137 और परमेश्वर वो अग्नि का खम्भा था जो जंगल में बच्चों की अगुवाही करता था। और जब वह यहाँ धरती पर था... और जब वह मरा, तो वह फिर से वापस एक प्रकाश में बदल गया। पौलुस ने उसे देखा, और वह एक प्रकाश था। उनमें से किसी ने भी उसे नहीं देखा। उन्होंने पौलुस को गिरते देखा। कुछ तो उस पर चमका, और ये एक प्रकाश था। पौलस ने कहा, "वह कौन है जिसे मैं सताता हूँ? "

138 उसने कहा, "शाऊल, शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है? "

कहा, "ये कौन है? "

139 उसने कहा, "मैं यीशु हूं, जिसे तू सताता हैं, और यह तुम्हारे लिए कठिन है कि अधिकार पाए हुए लोगो के विरूद्ध आओ।"

140 उसके बाद उसने जाकर उस प्रकाश के विषय में अध्ययन किया। पौलुस वापस बाइबल में गया, यह पता लगाने के लिए कि वह प्रकाश क्या था। और उसने इस पत्री को लिखा। वो वही यहोवा है। वही प्रकाश जो

इस्राएलियों के संतान के साथ जंगल में था। और जब पतरस बन्दीगृह में था, तो वो एक प्रकाश था, जिसने अंदर आकर और द्वार खोल दिए।

141 और उसके अनुग्रह से, तो किसी के पास कोई बहाना नहीं होगा... ओह, यदि वे अनपढ़ सन्देशवाहको को भूल सकते हैं, और याद रखें: यह संदेशवाहक नहीं है, यह संदेश है। वो प्रकाश के स्तंभ के नाई, हमारे साथ फिर से नीचे उतर आया है। और वो उन्हीं अद्भुत कार्यो और चिन्हों के साथ आगे बढ़ता है, बाइबल से बाहर कुछ भी नहीं; जो ठीक बाइबल के साथ बना रहता है, उसे अधीनता में रखते हुए, उसकी महिमा प्रकट करते हुए, उसकी सामर्थ को दिखाते हुए। उसका पवित्र नाम धन्य हो!

142 मैं जानता हूँ कि आप सोचते होंगे कि मैं पागल हूँ; लेकिन, ओह, वह धन्य अनन्त विश्राम जो मेरे प्राण में है, भले ही तूफान उठने लगे, मेरा लंगर उस परदे के अंदर है।

143 और उसे देखने के लिए जब वह मरा, तब तक, चंद्रमा ने शीघ्र घबराये हुए दंडवत किया। सूरज दिन के बीच में ही ढल गया। और जब वह खोये हुओं के क्षेत्रों में गया, [भाई ब्रंहम पुलपीट पर खटखटाते है—सम्पा।] दरवाजे पर खटखटाया, और दरवाजा खुल गया। बाइबल ने कहा, "उसने उन प्राणों को प्रचार किया जो कैद में थे, जिसने नूह के दिनों में धीरज धरकर प्रश्चाताप नहीं किया," उसके इस धरती पर से उठाये जाने के बाद। मेरे भाई, मेरी बहन, जब वो उठाया गया, उसका धरती का कार्य खत्म हो चुका था, लेकिन वो अब भी काम कर रहा था। और वह आज रात अब भी काम पर है। आमीन।

144 उसने खोये हुओ के दरवाजे पर खटखटाया। बाइबल ने कहा कि उसने ऐसा किया। और उसने गवाही को दिया, "मैं स्त्री का बीज हूँ। मैं वो हूं जिसके बारे में आदम ने बोला था। मैं वो एक हूँ जिसके बारे में हनोक ने कहा था कि वह अपने दस हजारों संतों के साथ आएगा। मैं जीवित परमेश्वर का पुत्र हूं, और तुम लोगो ने अपने अनुग्रह के दिन पर पाप किया है। लेकिन हनोक, नूह, दूतों के द्वारा तुम्हारे लिए ये भविष्यद्वाणी की गयी थी, कि मैं परमेश्वर की बाइबल के हर एक वचन को पूरा करने के लिए अवश्य ही आऊंगा। मैं इसमें गवाह के नाई यहां 'खोये हुओ की भूमि' पर हूं।'" और उसने उन्हें प्रचार किया।

वहां वो नीचे अधोलोक में चला गया, सीधे अधोलोक के द्वार पर, उस द्वार पर खटखटाया। शैतान ने द्वार को खोला, कहा, "अब मैंने तुम्हे पा लिया।"

145 उसके बगल से उन चाबियों को झपट के ले लिया, कहा, "तू शैतान, तूने लंबे समय तक झांसा दिया है।" यहाँ है यह, ठीक यहाँ बाइबल में। मैं इसे एक मिनट में ले लूँगा। "तूने लंबे समय तक झांसा दिया है, लेकिन मैं अधिकार में लेने आया हूं।" उन चाबियों को पकडा और उसे पीछे लात मारी, और दरवाजा बंद कर दिया।

उसमें से होकर आया और अब्राहम, इसहाक और याकूब को ले लिया। तीसरे दिन वह जी उठा, और जो कब्र में सोए हुए थे, वे उसके साथ जी उठे। ओह, हाल्लेलुय्या! कोई आश्चर्य नहीं कि कवि ने कहा:

> जीते जी उसने मुझसे प्रेम किया; मरते हुए; उसने मुझे बचा लिया;
> गाड़ा गया, वो मेरे पापों को दूर ले गया;
> जी उठकर, उसने हमेशा के लिए स्वतंत्र रूप से धर्मी ठहराया:
> किसी दिन वह आ रहा है—ओह, महिमामय दिन।

146 धन्य है वह बंधन जो हमारे हृदय को मसीही संगति के साथ, मसीही के प्रेम के साथ बांधता है। जब वो जी उठा, उसने अब तक समाप्त नहीं किया था। उसके पास करने के लिए और काम था।

147 बाइबल ने कहा, "वह ऊंचे पर चढ़ गया और मनुष्य के निमित दान दिये।" वहां धरती पर, अंधकार का, निराशा का, मृत्यु, और घबराहट का वातावरण मंडरा रहा था। प्रार्थना नहीं हो पायी, क्योंकि प्रायश्चिता को नहीं किया गया था। लेकिन, उसने उस परदे को फाड़ दिया। उसने मार्ग को खोल दिया। उसने बीमारी के परदे को फाड़ दिया। उसने पाप के परदे को फाड़ दिया। उसने घबराहट के परदे को फाड़ दिया। उसने निराशा के परदे को फाड़ दिया। उस ने सारे पर्दों को फाड़ दिया, और राहगीरो लिये राजमार्ग को बनाया, राजा के महामार्ग पर चलते हुए। ओह, परमेश्वर, जब उसने चाँद और तारों और इत्यादि को पार किया!

148 उसके पीछे, पुराने नियम के संत, अब्राहम, इसहाक, और याकूब पीछे–पीछे आते हैं। वे सीधे ऊपर अकाशो के आकाश के अंदर चले गए।

जब वे नगर से बहुत दूर थे, तो मैं उन्हें उनकी आँखें ऊपर उठाते हुए देख सकता हूँ। अब्राहम ने कहा, "यही वह नगर है जिसे मैं देखना चाहा था। ओह, यहाँ आओ, इसहाक। यहाँ आओ, याकूब। ओह, हम धरती के मुसाफिर और यात्री थे, लेकिन वहां एक नगर है। वहाँ पर एक है जिसका हमने इंतजार किया है।"

149 और बाइबल ने कहा कि वे जोर से चिल्लाए, "हे सनातन के द्वारो, सिर ऊंचे करो, और तुम ऊंचे हो जाओ, क्योंकि महिमा का राजा प्रवेश करेगा।"

150 और फाटकों के पीछे के दूतो ने यहाँ इन दूतों की ओर वापस चिल्लाया, और कहा, "यह महिमा का राजा कौन है? "

151 और दूतों ने यहां से कहा, भविष्यद्वक्ताओं ने कहा, "सेनाओं का प्रभु, युद्ध में पराक्रमी।"

152 और उन्होंने बटन को दबाया और बड़ा दरवाजा खुल गया। ठीक मार्गो के बीच में से होते हुए वो आता है, जय पाने वाला, विजेता, पुराने नियम के संत उसके पीछे–पीछे चल रहे थे। सिंहासन पर बैठ गया, कहा, "पिता, यहाँ है वे। वे आपके हैं।"

153 उसने कहा, "यहां चढ़ कर और बैठ जाओ, जब तक मैं तेरे सारे शत्रुओं को तेरे पांवों की चौकी न कर दूं।" जैसा कि हम पढ़ते हैं, हम पाते हैं कि यहाँ पर वचन में है। तो ठीक है।

154 सुनना। अब जबकि हम इस 8वें पद पर हैं:

> उसके बाद उसने *सब कुछ उसके पांवों के नीचे कर दिया। क्योंकि... उस ने सब कुछ उसके आधीन कर दिया, तो उस ने कुछ भी रख न छोड़ा, जो उसके आधीन न हो। पर हम अब... तक सब कुछ उसके आधीन नहीं देखते।*

यही, मृत्यु है। हम मृत्यु को नहीं देखते, फिर भी, क्योंकि हम अब भी मर रहे हैं। हम मृत्यु को देखते हैं।

लेकिन, 9वां पद, "लेकिन हम यीशु को देखते हैं!" आमीन। सुनना।

> *... हम यीशु को जो स्वर्गदूतों से कुछ ही कम किया गया था, मृत्यु का दुख उठाने के कारण महिमा और आदर का मुकुट पहिने हुए देखते हैं; ताकि परमेश्वर के अनुग्रह से हर एक मनुष्य के लिये मृत्यु का स्वाद चखे।*

उसे क्यों दूतों से कम बनाया गया? जिससे कि वह मृत्यु का स्वाद चख सके। उसे मरना था। उसे मरने के लिए आना था।

155 यहाँ देखो, मित्र। नहीं, इसे कभी न भूलें। जब यीशु पहाड़ी पर चलकर जा रहा था, तो उसके सिर के ऊपर मृत्यु भिनभिना रही थी।

156 आइए हमारे येरुशलेम की तस्वीर को ले, दो हजार वर्ष पहले की। और आप भला इसे कैसे ठुकरा सकते हैं? मैं रास्ते पर से आने वाली आवाज सुनता हूँ। यह क्या है? यह किसी चीज के टकराने की आवाज है। यह एक पुराना मजबूत क्रूस है जो नीचे आ रहा है, दमिश्क के फाटकों से निकलते हुए, रास्तो के पत्थर से टकरा कर उछल रहा है। वे बड़े रास्ते के पत्थर अभी भी वहां हैं। इन बड़े–बड़े रास्ते पत्थरो पर टकराते हुए, ऊपर–नीचे उछलते हुए। मैं सड़क पर लहू के छींटो को देखता हूं। यह क्या है? यह एक ऐसा मनुष्य है जिसने कोई हानि नहीं पंहुचायी है; भलाई के अलावा कुछ नहीं किया। लोग अंधे थे। उन्होंने उसे नहीं जाना। उन्होंने उसे नहीं पहचाना।

आप कहते है, "अंधे? क्या उनके पास उनकी दृष्टि हो सकती है? "

157 आपके पास अब भी आपकी दृष्टि हो सकती हैं और अंधे हो सकते हैं। आप यह विश्वास करते है? बाइबल ऐसा कहती है। दोतान में वहां एलीशा याद है? उस ने वहां पर जाकर और लोगों को अँधा किया, और कहा, "अब मेरे पीछे आओ।" वे उसके प्रति अंधे थे।

158 और लोग आज रात अंधे हैं। कोई तो एक कलीसिया जो दैविक चंगाई में विश्वास नहीं रखती, एक बार मेरे पास आकर, और कहा, "मुझे अंधा करो। मुझे अंधा करो।" यह भाई राइट के घर पर हुआ था। कहा, "मुझे अंधा करो।" कहा, "पौलुस ने एक समय एक व्यक्ती को अँधा किया।" कहा, "मुझे अंधा कर दो।"

159 मैंने कहा, "मित्र, शैतान इसे पहले ही कर चुका है। तुम पहले से ही अंधे हो। निश्चय ही, तुम हो।"

160 उसने कहा, "इस छोटी बच्ची को चंगा करो, और मैं आप पर विश्वास करूंगा।"

161 मैंने कहा, "उस पापी को बचाओ और मैं तुम पर विश्वास करूंगा।" निश्चित रूप से।

162 "ओह," उसने बोला, "उसे विश्वास करना होगा।"

163 मैंने कहा, "यहाँ वही बात है, इसे परमेश्वर के सर्वश्रेष्ठ अनुग्रह के जरिये से आना है।"

164 शैतान, इस—इस दुनिया के ईश्वर ने लोगों की आँखों को अँधा कर दिया हैं। "उनके पास आंखें हैं लेकिन वे देख नहीं सकते," बाइबल ने कहा।

165 यहाँ वह था, रास्ते पर जाते हुए, सड़क पर लहूलुहान पैरों के निशान घसीटते हुए। वो मृत्यु की *मधुमक्खी* उसके चारों ओर डंक मार रही थी, उस पर भिनभिना रही थी, "बस थोड़ी ही देर में और मैं तुम्हे पा लूँगी।" वो कमजोर पड़ने लगा था, पानी के लिए प्यासा था।

166 मुझे एक बार गोली लगी थी, यहाँ मैदान में पड़ा हुआ था, लहू बस मुझमें से बह रहा था। मैं पानी के लिए चिल्लाने लगा। और मेरे मित्र ने दौड़कर, और अपनी टोपी लेकर और इसे पानी में डाल दिया; पुराना रुका हुआ, पानी में जल के कीड़े थे। वो वहां पर आया, और मैं ने अपना मुंह खुला रखा; उसने उसे निचोड़ा। क्योंकि, लहू फव्वारे की तरह बह रहा था, जहां मुझे बंदूक से गोली मारी गयी थी। प्यासा!

167 तब मैं समझता हूँ कि मेरा प्रभु अवश्य ही किस तरह से रहा होगा, उस सुबह लहू बहने के बाद, नौ बजे से लेकर शाम के तीन बजे तक, उसका सारा लहू निकल रहा था। मैं उसका वस्त्र देखता हूँ, पहले, उस पर छोटे–छोटे धब्बे की तरह थे। और वे सारे धब्बे बड़े होने लगते हैं और एक साथ आकर, एक बड़ा सा लहू का धब्बा बनाते हैं, जैसे–जैसे आगे चलने लगा उसके पैर पर लगने लगता है। वह इम्मेनुएल का लहू था। ओह, धरती इसके योग्य नहीं थी।

168 लेकिन जैसे–जैसे वो ऊपर जाता है, यह *मधुमक्खी* उसके चारों ओर डंक मारती है। इसने क्या किया? इसने अत: उसे डंक मार दिया।

लेकिन, भाई, कोई भी जानता है, कि कोई कीड़ा या मधुमक्खी, यदि वह आपको एक बार डंक मार दे, तो उसके डंक मारने का काम समाप्त हो जाता है। यह अब और डंक नहीं मार सकती। क्योंकि जब वह छोड़ कर जाती है, तो इससे अपने डंक को बाहर निकाल लेती है।

यही कारण है कि परमेश्वर को देहधारी होना था। उसने मृत्यु के डंक को अपनी देह में ले लिया, और डंक को मृत्यु में से बाहर खींच लिया।

प्रभु का नाम धन्य हो! मृत्यु भिनभिना सकती है और डंक मार सकती है, लेकिन यह आपको हानि नहीं पहुंचा सकती।

169 पौलुस, जब उसने महसूस किया कि *मधुमक्खी* उसके चारों ओर भिनभिना रही है, मृत्यु सीधे आगे आ रही थी। उसने कहा, "हे मृत्यु, तेरा डंक कहाँ है? " वह कलवरी की ओर इशारा कर सकता था जहाँ इसे इम्मेनुएल के देह में छोड़ दिया था। "तेरी विजय कहाँ है? लेकिन परमेश्वर का धन्यवाद हो जिसने हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है।" जी हां।

170 हम सारी चीजो को नहीं देखते हैं।

लेकिन हम यीशु को देखते हैं, जिसे दूतों से थोड़ा कम बनाया गया था... मृत्यु का दु:ख उठाने के कारण,...

क्योंकि जिस के लिये सब—सब कुछ है, और जिस के द्वारा सब कुछ है, उसे यही अच्छा लगा, कि जब वह... बहुत से पुत्रों को... महिमा में पहुंचाए, तो उन के उद्धार के कर्ता को दु:ख उठाने *के द्वारा प्रधान ठहराये।*

केवल एक ही तरह से वह हमारे उद्धार का कप्तान बन सकता था, उसे दु:ख उठाना था।

171 इन सुंदर से शब्दों को अब यहां सुनना। अब सुनना।

क्योंकि पवित्र करने वाला और जो पवित्र किए जाते हैं, सब... एक ही मूल से हैं:...

ओह, क्या आप वहाँ दाखलता और डाली को नहीं देखते है? सब एक है।

... इसी कारण वह उन्हें भाई कहने *से नहीं लजाता,*

देखा? क्यों? सुनना, अगला पद।

पर कहता है, कि मैं तेरा नाम अपने भाइयों को सुनाऊंगा, सभा के बीच में मैं तेरी स्तुती गाऊंगा।

और फिर यह, कि मैं उस पर भरोसा रखूंगा। और फिर, यह कि देख, मैं उन लड़कों सहित जिसे परमेश्वर ने मुझे दिए।

इसलिये जब कि लड़के मांस और लोहू के भागी हैं, तो वह आप भी उन के समान उन का सहभागी हो गया; ताकि मृत्यु के द्वारा उसे जिसे मृत्यु पर शक्ति मिली थी, अर्थात शैतान को नष्ट कर दे;

और उन्हें छुड़ा ले जितने... क्योंकि... मृत्यु के भय के मारे हमेशा *दासत्व में फंसे थे, उन्हें छुड़ा ले।*

172 मनुष्य हमेशा मृत्यु से डरा है। मसीह पाप बन गया, नीचा हो गया, ताकि मृत्यु को अपने ऊपर ले ले। और उसे हमारा "भाई," कहलाने में लज्जा नहीं आती, क्योंकि जैसे उसकी भी परीक्षा हुई वैसे ही हमारी परीक्षा होती हैं। और वह सकता है... एक बिचवाई का सही प्रकार हो प्रकार हो सकता है, क्योंकि वह उसी तरह के परीक्षा में खड़ा था जैसे आप खड़े होते है। और उसने आपका स्थान ले लिया, यह जानते हुए कि आप इसे स्वयं से नहीं ले सकते।

173 इसलिए, क्या आप नहीं देखते, भाईयों, बहनो? सारी चीजे अनुग्रह है। यह सब अनुग्रह है। वैसे भी यह वह नहीं है, जो आप करते हैं। यह तो वो है जो उसने आपके लिए पहले से ही कर दिया है। अब, आप अपने उद्धार के योग्य होने के लिए एक काम भी नहीं कर सकते है। आपका उद्धार एक दान है। मसीह पाप बन गया, जिससे कि तुम धर्मी बन जाओ। और वह हमारे उद्धार के लिए सही प्रकार का एक मुख्य कप्तान है, क्योंकि उसने ठीक वैसे ही दु:ख उठाया जैसे हम उठाते है। उसकी वैसे ही परीक्षा की गयी है जैसे हम परीक्षा में होते हैं। और उसे "हमारा भाई," बुलाए जाने में शर्म नहीं आती क्योंकि वह जानता है कि हम किस बातों से होकर गुजर रहे हैं। ओह, उसका नाम धन्य हो!

क्योंकि वह तो स्वर्गदूतों को नहीं; वरन अब्राहम के वंश को संभालता है।

174 ओह, प्रभु! वह एक दूत नहीं बना। वह अब्राहम का वंश बन गया। "और हम, जो मसीह में मरे हुए है, अब्राहम के बीज को लेते हैं, और प्रतिज्ञा के अनुसार वारिस होते हैं।" समझे? उसने कभी भी दूत का रूप नहीं लिया। वह कभी दूत नहीं बना। वो एक मनुष्य बन गया। वह अब्राहम का वंश बन गया, और उसके अपने ही शरीर में मृत्यु के डंक को ले लिया, ताकि हमारा परमेश्वर के साथ फिर से मेल–मिलाप करा सके, और अब वहाँ पर एक

बिचवाई के लिए बैठता है। मेरे प्रभु, हम भला इसे कैसे अस्वीकार कर सकते हैं, मित्रो?

175 सुनना।

> *इस कारण उस को चाहिए था, कि सब बातों में अपने भाइयों के समान बने, जिस से वह उन बातों में जो परमेश्वर से सम्बन्ध रखती हैं, एक दयालु और विश्वासयोग्य महायाजक बने, ताकि लोगों के पापों के लिये... प्रायश्चित्त करे।*

176 ताकि वह मेल–मिलाप करने वाला हो सके! देखो, वहां परमेश्वर और मनुष्य के बीच शत्रुता थी। और ना ही मनुष्य...

उन्होंने दूतों, भविष्यद्वक्ताओं को भेजा। वे आपकी जगह को नहीं ले सकते थे, क्योंकि उन्हें उनके खुद के लिए प्रार्थना करनी थी। वे जगह नहीं ले सके।

177 तब, उसने व्यवस्था को भेजा। व्यवस्था एक पुलिस वाला था जिसने हमें जेल में डाल दिया। यह हमें बाहर नहीं ला सका। उसने व्यवस्था को भेजा।

उस ने भविष्यद्वक्ताओं को भेजा, उस ने धर्मियों को भेजा, और हर एक चीज को, ये प्रायश्चिता को न कर सके। लेकिन वो नीचे उतर आया और हम में से एक बन गया। ओह, मेरे प्रभु!

178 काश हमारे पास ठीक अभी और समय होता, मैं आपको छुटकारे की उस व्यवस्था पर ले जाना चाहता हूं; लेकिन हमारे पास समय नहीं है, लेकिन बस कुछ समय के लिए। रूत और नाओमी में सुंदर तस्वीर है। यदि आप वहां देखेंगे, वो मेल–मिलाप, किस तरह से वो किसान, वो व्यक्ति को जिसकी गँवायी हुई और गिरी हुई अवस्था से छुड़ाना था, उसे उस व्यक्ति का निकट कुटुम्बी होना था जिसने संपत्ति गँवा दी थी। यही वो कारण है कि बोआज़ को होना ही था... नाओमी का निकट कुटुम्बी होना था, जिससे कि वह रूत को पा सके। और फिर, उसे योग्य होना था। उसे ऐसा करने में सक्षम होना था, ताकि खोए हुए को छुड़ाये। और बोआज ने फाटक पर, जूता पटककर, आम लोगो के लिए गवाही दी, कि उस ने नाओमी और उसकी सारी संपत्ति को छुड़ा लिया था। और उसे उसका निकट कुटुम्बी होना था।

179 और यही कारण है कि मसीह, परमेश्वर को हमारे लिए निकट कुटुम्बी बनना था। और वह नीचे उतेर आया और एक मनुष्य था। और उसने परीक्षा में दु:ख उठाया। और उस पर हंसा गया, मजाक उडाया गया, और सताया गया, और अनदेखा किया गया, और "बालजबुल," बुलाया गया, और—और उपहास उड़ाया गया, और मृत्युदंड के तहत मृत्यु को सहना पड़ा। देखा? उसे हमारा निकट कुटुम्बी होना था। उस पर झूठा आरोप लगना था, क्योंकि आप पर झूठे आरोप लगे। उसे बीमारी को सहन करना था, क्योंकि आप बीमार हो। उसे पापों को सहन करना था, क्योंकि यह आपके पाप थे। और उसे निकट कुटुम्बी होना था। केवल इसी तरह से वह हमें छुड़ा सकता था, उसे हमारा निकट कुटुम्बी बनना था। और वो किस तरह से निकट कुटुम्बी बनता है, पापी देह के रूप को धारण करते हुए और हम में से एक बनते हुए। और उसमें, उसने दाम को चुकाया और हमें छुड़ाकर वापस पिता की संगति में ले जाता है। ओह, क्या ही उद्धारकर्ता है! शब्द इसे व्यक्त नहीं कर सकते।

क्योंकि जब उस ने खुद परीक्षा की दशा में दुख उठाया,... और वह उन को भी सहारा दे सकता है, जिन की परीक्षा होती है।

180 *सहारा* का अर्थ है "सहानुभूति रखना।" यही वो कारण है कि वह *ऐसा* बन गया है, जिससे कि वह आपके साथ सहानुभूति रख सके जो हैं... आपके *उतार* और *चढ़ाव* में, और आपके छोटे–छोटे *अंदर* और *बाहरी*, और आपकी परीक्षाये इतनी बड़ी हो जाती हैं कि आप शायद इसे बर्दाश्त भी नहीं कर सकते हो। वह जानता है आपके साथ सहानुभूति कैसे रखना है। वो वहाँ पर बना रहता है, ताकि बिचवाई के काम को करे। वह वहाँ बना रहता है, ताकि आपसे प्रेम करे। और भले ही आप भटक जाये, वह आपको नहीं छोड़ेगा। वह फिर भी आपके पीछे आएगा और आपके हृदय पर खटखटायेगा। वहां ईमारत में कोई पीछे हटा हुआ नहीं है लेकिन क्या पता परमेश्वर हर रोज उनके हृदय पर खटखटाता हो। और वह इसे तब तक करेगा जब तक आप इस धरती पर मरणहार हैं, क्योंकि उसने आपसे प्रेम किया है। उसने आपको छुड़ाया है।

181 कवियों ने कोशिश की है, लेखक कोशिश कर रहे हैं, मनुष्य उस "प्रेम" के विषय को व्यक्त करने की कोशिश कर रहा है, और इसे मनुष्य के व्यक्त करने में नहीं पाया जा सकता है। एक ने कहा:

ओह, परमेश्वर का प्रेम, कितना भरपूर और शुद्ध है!
कितना अथाह और गहरा!
यह हमेशा के लिए बना रहेगा,
संतो और दूतो का गीत।

यदि हम स्याही से सागर भरते हैं,
और चमड़े के समान कागज़ के आकाश बनाए जाए;
धरती पर की हर एक डंठल एक कलम,
और हर एक व्यक्ति व्यवसाय से एक लेखक हो;
ऊपर परमेश्वर के प्रेम को लिखने के लिए
ये समुंद्र को सूखा देगा;
या क्या वो कागज में पूरा समा पाएगा,
भले ही आसमान से आसमान तक फैला हुआ हो।

182 आप कभी भी नहीं समझें पाएंगे। हमारे पास इसे समझने का कोई तरीका नहीं है कि किस तरह से वो महान बलिदान, जो उसने किया, नीचे आकर और हमारा परमेश्वर से मेल मिलाप किया। तब उसने वापस जाकर और कहा, "अब, मैं तुम्हें अनाथ न छोड़ूंगा। मैं फिर से आऊँगा और तुम्हारे साथ रहूँगा, यहाँ तक कि तुम्हारे अंदर रहूँगा, संसार के अंत तक।"

183 और आज हम यहां पर हैं, अंत समय में जी रहे हैं, उसी यीशु के साथ, वही काम, वही चिन्ह, वही अद्भुत काम, वही उद्धार, वही आत्मा उन्ही कामो को करते हुए, वही सुसमाचार, वही वचन, वही स्पष्टीकरण, वही प्रगटीकरण, हर एक चीज वही। ये हमारे हित के लिए है कि हम इस महान उद्धार को अनदेखा ना करे, क्योंकि हमें किसी दिन हिसाब देना पड़ेगा, कि हम परमेश्वर के पुत्र के साथ क्या करते हैं।

184 वह आज रात आपके हाथ में है, पापी, पीछे हटे हुए लोगो। आप उसके साथ क्या करने जा रहे हैं? आप कहते है, "तो ठीक है, मैं इसे जाने दूंगा।" लेकिन, याद रखें, आप ऐसा न करें। वहां बिल्कुल ऐसा कोई तरीका ही नहीं है, यदि आप एक पापी हैं, तो आप इस भवन को छोड़ कर वैसे ही बने रह सकते हैं। आप इसे नहीं कर सकते है।

185 पिलातुस ने एक रात ऐसा करने की कोशिश की। उसने कुछ पानी मंगवाया और उसने हाथ को धोया। कहा, "मेरा इससे कोई लेना–देना नहीं है। मैं बस वैसा ही हूं जैसा इसे कभी देखा ही नहीं। मैंने कभी भी

सुसमाचार नहीं सुना। मैं इससे कोई लेना–देना नहीं रखना चाहता हूँ।" क्या वह इससे अपने हाथों से धो सकता था? वह नहीं कर सका।

186 अंत में, आप जानते हैं कि पीलातुस के साथ क्या हुआ? वो अपने दिमाग को खो बैठा। और दूर स्विट्ज़रलैंड में, जहाँ हम पिछले वर्ष सुसमाचार को प्रचार कर रहे थे, अब एक पुरानी कहानी है जो बताती है, कि, वहाँ पर पानी का एक तालाब है, जहां हर वर्ष देखने के लिए दुनिया भर से लोग आते है, क्रूस पर चढ़ाए जाने के समय। पिलातुस, उसने खुद को मौत के घाट उतार दिया, आत्महत्या करते हुए, इस पानी में कूदकर और खुद को डुबा दिया। और हर वर्ष, उसी दिन पर, उस तालाब से नीला पानी उबलने लगता है, यह दिखाता है कि परमेश्वर ने पानी को अस्वीकार कर दिया। पानी कभी भी यीशु के लहू को आपके हाथों से या आपके प्राण से नहीं धो सकता है। वहां इसे करने का केवल एक ही तरीका है, वह है इसे अपनी व्यक्तिगत क्षमा के नाई स्वीकार करना और परमेश्वर के साथ मेल मिलाप करना।

आइए प्रार्थना करें।

187 स्वर्गीय पिता, हम आज रात आपको वचन के लिए धन्यवाद देते हैं। "क्योंकि विश्वास सुनने से और सुनना वचन से होता है।" हम आपको यीशु के लिए धन्यवाद देते हैं। और जैसा कि हम इस महान दिन को देखते हैं जिसमें हम रह रहे हैं, किस तरह से चिन्ह और अद्भुत काम होते है, हम भला कैसे इन चीजों को जाने देते है। परमेश्वर, आज रात इस आराधनालय में लोगों की आंखो को खोले, जिससे कि वे देख सकें और समझ सकें कि हम अंतिम समय में हैं। समय शीघ्रता से निकल रहा है। हमारे पास यहां रहने के लिए अधिक समय नहीं है, और हमें यीशु को देखना होगा। और हमें विश्वासघाती समझा जायेगा, क्योंकि कोई बहाना नहीं है। आज सुबह को जब आपने उस मनुष्य के उस महान्, अति महान दर्शन को दिया, जो दूर उस ओर देश से यहां आ रहा है; और उसे देखने के लिए, संदेह की छाया से परे, उस व्हील चेयर से उठकर, उसकी दृष्टि को प्राप्त करता है। उसके पैर मजबूत बन जाते हैं, वहां इसे ईमारत में से होते हुए, आनन्दित होता है, और परमेश्वर की स्तुति करता हैं। यह दर्शाता है कि परमेश्वर अब भी इन पत्थरों से अब्राहम के लिए संतान को खड़ा करने में सक्षम है। दर्शनो

को देखना, जैसे यीशु ने कहा, "मैं तब तक कुछ नहीं करता जब तक पिता मुझे नहीं दिखाता। मैं कुछ भी नहीं कर सकता।"

188 अँधा व्यक्ति उसके पीछे–पीछे आया, और कहा, "हम पर दया करे।"

189 उसने कहा, उनकी आँखों को छुआ और कहा, "तुम्हारे विश्वास के अनुसार, ऐसा तुम्हारे लिए हो।"

190 अब, प्रभु, हम यीशु को देखते हैं। हम सारी चीजो को नहीं देखते हैं। हम देखते हैं कि हम अभी भी हममें के संतों को कब्र में ले जाते हैं, और एक दूसरे की कब्र पर चलते हैं। लेकिन हम यीशु को देखते हैं, जिसने प्रतिज्ञा को किया था। हम उसे अपने साथ देखते हैं। ना ही कब्र में यीशु, ना ही दो हजार वर्ष पहले का यीशु; लेकिन यीशु आज रात, यही हमारे साथ है। हम उसे उसकी सारी सामर्थ, और चिन्हों, और अद्भुत कार्यो में प्रकट होते हुए देखते हैं।

191 परमेश्वर, होने पाए हम इस महान उद्धार को कभी भी अनदेखा ना करे। लेकिन होने पाए हम इसे अंगीकार करे, और इसे स्वीकार करे, और आदर करे, और इसके द्वारा जीये उस दिन तक जब तक कि यीशु हमें घर ले जाने के लिए नहीं आता है। इसे प्रदान करे, प्रभु। हम इसे उसके नाम में मांगते हैं।

192 और जब कि हमने अपने सिरो को झुकाया हुआ हैं, मैं सोचता हूँ कि क्या आज रात इमारत में कोई व्यक्ति है, पवित्र आत्मा की दिव्य उपस्थिति के नीचे, जो कहे, "भाई ब्रंहम, मैं मानता हूँ कि मैं गलत हूँ। मैं मानता हूँ कि मैं गलत हूं। परमेश्वर ने मुझ पर मेरे पापों को प्रगट किया है। और मैं जानता हूँ कि मैं गलत हूँ। मैं आज रात उसकी ओर अपना हाथ उठाऊंगा और दया के लिए मांगूंगा। परमेश्वर, मुझ पर दया करे। मैं गलत हूँ।" क्या आप ऐसा करेंगे?

193 जबकि हम बस कुछ समय के लिए रुके हैं, यदि यहां कोई व्यक्ति है जो चाहता है, बस कुछ ही समय में बपतिस्मा होने जा रहा है। और यदि आप पापी हो, तो पश्चाताप करूँगा। आप भला ऐसे अतुलनीय प्रेम को कैसे ठुकरा सकते हैं वो एक जो मरा? स्वर्ग का पवित्र परमेश्वर पाप से भरा मनुष्य बन गया; इसलिए नहीं कि उसने पाप किया, लेकिन इसलिए कि उसके पास तुम्हारे पाप थे, और उन्हें वहाँ कलवरी पर सहन किया। और आप उस क्षमा को स्वीकार नहीं करेंगे? क्या आप इसे आज रात नहीं करेंगे? जबकि हमने

हमारे सिरो को झुकाया हुआ हैं, कोई एक कहेगा, "मुझे याद करना, भाई ब्रंहम। मैं अपने हाथो को मसीह की ओर उठाकर, और कहता हूं, 'मुझ पर दया करे। मैं—मैं गलत हूँ, और मैं परमेश्वर के साथ मेल–मिलाप करना चाहता हूँ।'" क्या आप अपने हाथ को उठाएंगे?

तो ठीक है, यदि हर एक जन मसीही है, तो आइए हम प्रार्थना करें।

194 पिता, आज रात हम आपको धन्यवाद देते हैं, कि यहाँ हर एक जन मसीही है, कि उन्होंने शांत बने रहकर गवाही को दिया है, कि उनके सारे पाप लहू के नीचे हैं। और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। उन्हें आशीष देना, प्रभु। ओह, मैं बहुत खुश हूँ कि उन्होंने लहू के बलिदान करने के जरिये से, मेल मिलाप को पाया है, वचन को सुनने के द्वारा। जल का धोया जाना, वचन के द्वारा, यह हमें शुद्ध करता है। यह हमें सबसे महान स्थान पर लाता है, जहां—जहां पापी, उसके घोर अंधकार के साथ होता है, से बर्फ के समान सफेद बनाता है। पाप के गहरे लाल रंग के धब्बे धुल गए हैं, और हम मसीह में नयी सृष्टियां हैं। इसके लिए हम आपको कैसे धन्यवाद दे।

अब आगे बपतिस्मा की सभा आती है। मैं समझता हूँ कि इस युवती को आज रात यहाँ पर उसके प्रभु के नाम में बपतिस्मा दिया जाना है।

195 हे स्वर्गीय पिता, हम प्रार्थना करते हैं कि आप इस युवती को आशीष देंगे। किस तरह से मेरा मन कुछ दिन पीछे की ओर चला जाता है, हेनरीविले में आते हुए और उस प्यारी छोटी लड़की को सड़क पर यहाँ–वहां चलते हुए देख रहा था। और आज रात, वह एक माँ है, एक महिला है। उसने आपको अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। बालक के लिए जीवन कठिन रहा है, प्रभु, हे परमेश्वर, लेकिन उसके लिए स्वर्ग निश्चित है। और हम आपको इसके लिए धन्यवाद देते हैं। हम प्रार्थना करते हैं, परमेश्वर, कि अब आप उस युवती को आशीष देंगे। और जब वह जल से बपतिस्मा लेने को आती है, तो होने पाए आप उसे परमेश्वर के पवित्र आत्मा से भर दे। इसे प्रदान करे, प्रभु। होने पाए उसका प्राण स्वर्ग में बस बहुत ही रोमांचित हो जाए! इसे आपकी महिमा के लिए प्रदान करें। हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

196 [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] मैं प्रेरितों के काम का 2रा अध्याय पढ़ना चाहता हूँ; पतरस पेंटीकोस्ट के दिन पर बोल रहा है, पहला बपतिस्मा

जो मसीही कलीसिया में कभी किया गया था। पतरस, फरीसियों और अन्धों को ताड़ना दे रहा था, परमेश्वर के पुत्र को नहीं पहचानने के कारण; इस पर बोलते हुए कि परमेश्वर ने किस प्रकार उसे जिलाया, और उसके कामों को साबित किया, बड़े चिन्हों और अद्भुत कामों के द्वारा। इसे सुनना, जब वह बोल रहा था। वह यीशु को ऊंचा उठा रहा था।

197 हर एक मसीही की आत्मा यीशु को ऊँचा करती है, न केवल आपके होठों के द्वारा, बल्कि आपके जीवन द्वारा। आपके होंठ एक बात को कह सकते हैं, आपका जीवन कुछ और बता सकता है। यदि आप ऐसा करते हैं, तो आप जानते हैं कि यह क्या है? यह ढोंगीपन है। और मैं बल्कि बाजाए एक ढोंगी के एक अविश्वासी के जैसे स्वर्ग का सामना करना चाहूंगा। मैं अपने मौके को बेहतर तरीके से लूंगा, मैं स्वर्ग में विश्वास करता हूँ, एक—एक अविश्वासी के नाई बजाये एक ढोंगी होने के। मैं निश्चित रूप से... यदि आप यीशु के लिए गवाही देते हो और कहते हो, "वो उद्धारकर्ता है," आप इस तरह से जीते हो, क्योंकि लोग आपसे इसकी अपेक्षा करेंगे। ये सही बात है। आपको ऐसे जीना हैं जैसे एक मसीही को चाहिए। हम आज सुबह इसमें से होकर गए है।

198 अब, प्रभु ने चाहा, तो कल रात, या... बुधवार की रात, हम इस 3रे अध्याय को ले रहे हैं, जो एक अद्भुत अध्याय है। और अब, सुनिश्चित करें, कि बुधवार की रात को आने की कोशिश करना है। कितने लोग इस किताब का आनंद ले रहे हैं, इस रविवार स्कूल शिक्षा का? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] ओह, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। अच्छी बात है।

199 अब, मैं अब प्रेरितों के काम के 2रे अध्याय से पढ़ना चाहता हूँ, जो 32वें पद से आरंभ करते हुए।

> *इसी यीशु को परमेश्वर ने जिलाया, जिस के हम... सब गवाह हैं।* (हम इसे जानते है।)
>
> *इस प्रकार परमेश्वर के दाहिने हाथ से सर्वोच्च पद पाकर, और पिता से वह पवित्र आत्मा प्राप्त करके जिस की प्रतिज्ञा की गई थी, उस ने यह उंडेल दिया है जो तुम देखते और सुनते हो।*

200 अब उसकी सुनना, जो दूतों में से एक, दाऊद के विषय में बोल रहा है।

क्योंकि दाऊद तो स्वर्ग पर नहीं चढ़ा: परन्तु वह आप कहता है, कि प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा, मेरे दाहिने बैठ,

जब तक कि मैं तेरे बैरियों को तेरे पांवों तले की चौकी न कर दूं।

दाऊद ऊपर नहीं जा सका; वह बछड़े, और बकरियों, और भेड़, और बकरियों के बहाए हुए लहू के नीचे था। लेकिन अब वह उठ सकता है; वो प्रभु यीशु के लहू के नीचे था। क्योंकि वे उस लहू का केवल तभी उत्तर देते हैं जब ये बलपूर्वक आता है। जब मसीह का लहू बलपूर्वक आता है, वे सारे जो भले काम के लिये मरे थे, वे सब जी उठे, यह सही है, और महिमा में उठाये गये।

201 अब सुनना।

सो अब इस्त्राएल का सारा घराना निश्चय जान ले... (इस बात को सुनना।)... *कि परमेश्वर ने उसी यीशु को जिसे तुम ने... क्रूस पर चढ़ाया, प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।*

उस बारे में क्या है? क्या वो त्रिएकता में का तीसरा व्यक्ति है, या वो संपूर्ण त्रिएकता है? वह परमेश्वरत्व, दैहिक रूप की सारी संपूर्णता है।

202 तीन परमेश्वर जैसी कोई चीज नहीं है: परमेश्वर वो पिता, परमेश्वर वो पुत्र, और परमेश्वर और वो पवित्र आत्मा। यह यहाँ तक वचन में भी नहीं है, कहीं नहीं। यह कहीं नहीं है। हमें कभी कहीं भी बपतिस्मा लेने का आदेश नहीं दिया गया था "पिता के नाम पर, और पुत्र के नाम में, और पवित्र आत्मा के नाम पर," वचनों में कहीं भी नहीं। यह एक कैथोलिक मत सिद्धांत है, और यह प्रोटेस्टेंट कलीसिया के लिए नहीं है। मैं किसी से भी पूछता हूँ कि मुझे एक भी वचन को दिखाये जहाँ किसी भी व्यक्ति ने कभी किसी अन्य तरीके से बपतिस्मा लिया हो प्रभु यीशु मसीह के नाम की छोड़। आकर, इसे मुझे दिखाये, और मैं अपनी पीठ पर एक तख्ते को लगाऊंगा, "एक ढोंगी, और एक झूठा भविष्यद्वक्ता, एक झूठा शिक्षक," और सड़कों पर से होकर जाऊंगा। वहां ऐसी कोई चीज नहीं है। इस तरह कभी भी किसी ने बपतिस्मा नहीं लिया था। यह एक कैथोलिक मत सिद्धांत है, और न कि प्रोटेस्टेंट सिद्धांत।

203 "मत्ती 28:19," आप कहते है, "यीशु ने कहा, 'इसलिये तुम सारे जगत में जाकर सब जातियों को शिक्षा दो, उन्हें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा दो।'" यह सही है।

लेकिन नहीं, "पिता के नाम में, पुत्र के नाम, पवित्र आत्मा के नाम।" पिता का *नाम,* पिता का *नाम* (नामो नहीं)...

पिता एक नाम नहीं है। यह कितने जानते हैं? कितने यहाँ पर पिता हैं? अपने हाथो को ऊपर उठाये । कितने यहाँ पर पुत्र हैं? अपना हाथ को ऊपर उठाये। कितने यहाँ पर मनुष्य हैं? अपने हाथ ऊपर उठाये। तो ठीक है। अब, आपका नाम क्या है? न पिता, न पुत्र, न ही मनुष्य।

204 एक बार एक महिला ने मुझसे कहा, जो एक सख्त त्रिदेववादी थी, उसने कहा, "भाई ब्रंहम, लेकिन पवित्र आत्मा एक नाम है।"

205 मैंने कहा, "पवित्र आत्मा एक नाम नहीं है, पवित्र आत्मा वह है जो ये है। ये तो पवित्र आत्मा *है,* ना ही एक नाम है, यही तो ये है। मैं एक मनुष्य हूं, लेकिन मेरा नाम मनुष्य नहीं है, मेरा नाम विलीयम ब्रंहम है।"

206 तो, यदि उसने कहा, "इसलिये जाकर, सब जातियों को शिक्षा दो, उन्हें पिता के, और पुत्र के, और पवित्र आत्मा के *नाम* में बपतिस्मा दो," तब पतरस ने दस दिन बाद, कहा, "पश्चाताप करो," अब, यहाँ, इसे सुनना:

> और *जब उन्होंने यह सुना, तो तब उनके हृदय छिद गए, और वे पतरस और... शेष प्रेरितों से पूछने लगे, कि हे भाइयो, हम क्या करें?*
>
> *तब पतरस ने उन से कहा, पश्चाताप करो, तुम में से हर एक, और अपने अपने पापों की क्षमा के लिये* प्रभु *यीशु मसीह के नाम से* बपतिस्मा ले, *और* तुम *पवित्र आत्मा के दान को पाओगे।*

207 तब क्या पतरस ने वो किया जिसे यीशु ने उससे नहीं करने को कहा था? वह गड़बड़ी में नहीं था, हम ही वो है जो गड़बड़ी में होते हैं।

208 प्रेरितों के काम 2:38 पर, यहूदियों को डूबा कर प्रभु यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दिया गया था।

प्रेरितों के काम, 8वें अध्याय में, हम देखते हैं कि फिलिप्पुस ने वहां जाकर और सामरियों को प्रचार किया, और उन्हें प्रभु यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दिया, सामरी लोगो को।

प्रेरितों के काम 10:49 में, पतरस ने अन्यजातियों को प्रभु यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेने की आज्ञा दी।

209 पौलुस, प्रेरितों के काम 10:5 में, "वह इफिसुस के ऊपरी तट से होकर गुजरा, उसे चेले मिले।" वे एक बैपटिस्ट के चेले थे; हर एक जन, बैपटिस्ट था। वे एक बैपटिस्ट प्रचारक के नीचे परिवर्तित हुए थे, जिस का—का नाम था, अपुल्लोस, देखो। और वह एक बैपटिस्ट प्रचारक था, "और बाइबल के द्वारा सिद्ध कर रहा था कि यीशु ही मसीह था।"

पौलुस ने कहा, "क्या तुमने पवित्र आत्मा को पाया जब से तुमने विश्वास किया? "

210 उन्होंने कहा, "हम यह जानते भी नहीं कि कोई पवित्र आत्मा भी है।"

211 कहा, "तो फिर तुमने कैसा बपतिस्मा लिया? "

212 उन्होंने कहा, "हमें उसी मनुष्य के द्वारा बपतिस्मा दिया गया है जिसने यीशु को बपतिस्मा दिया था, वहाँ पर पानी का कुंड है। यह काफी है।"

213 पौलुस ने कहा, "यह अब काम नहीं करेगा। आपको फिर से बपतिस्मा लेना होगा।" और पौलुस ने उन्हें प्रभु यीशु मसीह के नाम में, फिर से बपतिस्मा लेने की आज्ञा दी। उन पर उसके को हाथ को रखा, और पवित्र आत्मा उन पर उतर आया। सही है। जी हाँ, श्रीमान।

यह संध्या के समय उजियाला होगा,
महिमा का मार्ग कप तुम निश्चय ही पाओगे;
जल के पथ में, यही आज का उजियाला है,
यीशु के बहुमुल्य नाम में गाडा गया।
जवान और बुढे, अपने सारे पापों के लिये पश्चाताप
करे,
पवित्र आत्मा निश्चय ही प्रवेश करेगा;
सांझ का उजियाला भीतर आ गया है,
यह सच्चाई है कि परमेश्वर और मसीह एक हैं।

214 यही है जो बाइबल ने कहा। ये सही बात है। यह वो घडी है, यह एक समय है कि हमें पश्चाताप करना चाहिए।

215 बताये, जब आप तालाब में तैयार होंते है, जोर से चिल्लाये। और हम... [एक भाई कहता है, "हम तैयार हैं।"—सम्पा।] आप तैयार हैं? अच्छी बात है, पर्दे को खींचने के लिए।

216 अब, प्रभु आपको आशीष दे, जैसे भाई बपतिस्मे की सेवकाई करते है। क्या आप सब यहाँ देख सकते हैं?

इब्रानियों, अध्याय दो 2 HIN57-0825E

(Hebrews, Chapter Two 2)

इब्रानियों श्रृंखला की किताब

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार शाम, 25 अगस्त, 1957, को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2021 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org